>

Title: Need to stop air and water pollution being caused by cotton mills in Fatehpur Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

श्री राकेश सचान (फतेहपुर): मेरे संसदीय क्षेत्र फतेहपुर में ब्लाक मलवां, सौरा व छिवली में काटन मिल्स के तीन प्लांट लगे हैं और वह हर प्रकार से पर्यावरण की खुले आम धज्जियां उड़ा रहे हैं। मिल्स के केमिकल युक्त पानी को फिल्टर न कर के फैक्टरी के बोर होलों में सीधे डाला जा रहा है और शेष दूषित पानी को खुले स्थानों में बहा दिया जाता है। यह दूषित पानी खेती योग्य भूमि के पास में भरा रहता है जिससे सैंकड़ों एकड़ खेती बंजर हो गई है। इस दूषित पानी के खुले में भरे होने से जानवर पानी पीकर बीमार हो रहे हैं साथ ही मच्छरों का भी प्रकोप ज्यादा हो रहा है जिससे अनेक बीमारियां पैदा हो गई हैं। इसके साथ ही इन मिल्स के प्लांट के आसपास के गांवों का पेयजल दूषित हो गया है जिस कारण से पेयजल की बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो गई है। इन मिल्स में धान की भूसी को वायलर में जलाया जा रहा है जिससे पूरे क्षेत्र का पर्यावरण दूषित हो गया है। चिमनी से निकलने वाले धुं में ये कण हवा में उड़ कर वायु को प्रदूषित कर रहे हैं जिससे इस क्षेत्र के दर्जनों गांवों (सौरा, बरौरा, चक्कीनाका, मदारीपुर मलवां छिवली) आदि में रहने वाले लोगों को सांस लेने में भी दिक्कतें हो रही हैं और वह खुले स्थान में सोना भी दूभर हो गया है। साथ ही वातावरण में दूषित कणों के होने से क्षेत्र के सैंकड़ों लोगों की आंखें खराब हो चुकी हैं।

अतः आग्रह है कि मेरे संसदीय क्षेत्र की उक्त काटन मिल्स द्वारा फैलाये जा रहे प्रदूषण को देखते हुए इसे रोकने की दिशा में उचित कदम उठाये जाएं साथ ही इस मिल्स के प्लांटों के आसपास के प्रदूषित क्षेत्रों के जिन किसानों की खेती योग्य भूमि बंजर हुई है और जो लोग बीमारी के शिकार हुए हैं उन्हें मिल्स प्रबंधकों से मुआवजा भी दिलाया जाये।